मीठे हुए शुगर स्टॉक्स, पहुंचे सालभर के पीक पर

द्वारकेश शुगर इंडस्ट्रीज, डालमिया भारत शुगर, केसर एंटरप्राइजेज, उत्तम शुगर मिल्स, उगर शुगर वर्क्स और मवाना शुगर्स के शेयर 9-18% तक चढ़े

[पलक शाह & ज्वलित त्यास | मुंबई]

शुगर स्टॉक्स ने इनवेस्टर्स का मुंह मीठा कराया है। इंटरनेशनल मार्केट में चीनी की कीमत 22 साल में सबसे अधिक हो गई है। भारत की चीनी मिलें तेजी से एक्सपोर्ट के सौदे कर रही हैं। इस वजह से मंगलवार को अधिकतर शुगर कंपनियों के शेयर 52 हफ्ते के पीक पर पहुंच गए।

पिछले साल अक्टूबर से सेंसेक्स और निफ्टी जैसे बेंचमार्क इंडेक्स में गिरावट आ रही थी, लेकिन शुगर स्टॉक्स में उस दौरान भी मजबूती बनी हुई थी। एक्सपर्ट्स का कहना है कि शुगर कंपनियों के शेयर में और तेजी आ सकती है।

द्वारकेश शुगर इंडस्ट्रीज, डालमिया भारत शुगर, केसर एंटरप्राइजेज, उत्तम शुगर मिल्स, उगर शुगर वर्क्स, मवाना शुगर्स के शेयर मंगलवार के ट्रेडिंग सेशन में 9 से 18 पर्सेंट तक चढ़े। राजश्री शुगर्स, डीसीएम श्रीराम इंडस्ट्रीज, शक्ति शुगर्स, बन्नारी अम्मान शुगर्स, धामपुर शुगर मिल्स, बलरामपुर चीनी मिल्स और धारानी शुगर्स के स्टॉक में भी 5 से 9 पर्सेंट की तेजी आई। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी की सप्लाई कम बनी रहेगी। हाल ही में इंटरनेशनल शुगर ऑर्गनाइजेशन ने कहा था कि ग्लोबल मार्केट में चीनी की मांग और सप्लाई का अंतर 50 लाख टन हो गया है। यह पिछले साल सितंबर की तुलना में काफी ज्यादा है। भारत में पिछले साल अगस्त के बाद इस साल 3 मार्च तक इसकी कीमत 50 पर्सेंट बढ़ी है। ब्रोकरेज फर्म शेयरखान के वाइस प्रेसिडेंट देवांग कामदार ने बताया, 'इंटरनेशनल फैक्टर्स के अलावा सरकार ने चीनी मिलों को फंडिंग सपोर्ट बढ़ाया है। इससे भी शुगर स्टॉक्स की री-रेटिंग में मदद मिली है।' उन्होंने कहा कि चीनी के दाम में बढ़ोतरी होने से अधिकतर कंपनियां ऑपरेटिंग लेवल पर मुनाफे में आ जाएंगी। इससे उन्हें लोन चुकाने में मदद मिलेगी। सप्लाई प्रेशर कम करने के लिए केंद्र सरकार ने चीनी मिलों को एक क्विंटल गन्ने की पेराई पर 4.5 रुपये की सब्सिडी दी है। महाराष्ट्र की चीनी मिलों को इस सीजन के प्रॉडक्शन का 12 पर्सेंट हिस्सा एक्सपोर्ट करने की छूट दी गई है। गन्ने पर स्टेट परचेज टैक्स भी हटा लिया गया है। देश में सबसे अधिक शुगर प्रॉडक्शन महाराष्ट्र में होता है। इंडिया निवेश सिक्योरिटीज के रिसर्च हेड दलजीत सिंह कोहली ने बताया, 'महाराष्ट्र में शुगर प्रॉडक्शन प्रभावित हुआ है, लेकिन यूपी में यील्ड में बढ़ोतरी हुई है।' इस सीजन में एवरेज यील्ड 10.5-11 पर्सेंट है, जो पिछले साल 9 पर्सेंट थी। इससे चीनी मिलों को फायदा होगा। अगले साल डोमेस्टिक मार्केट में भी चीनी की कमी हो सकती है क्योंकि गन्ने के दाम में पिछले चार साल से कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है।

5-9% चढ़ने वाले स्टॉक

- **राजश्री शुगर्स**, डीसीएम श्रीराम इंडस्ट्रीज, शक्ति शुगर्स, बन्नारी अम्मान शुगर्स, धामपुर शुगर मिल्स, बलरामपुर चीनी मिल्स और धारानी शुगर्स के स्टॉक में भी 5-9% की तेजी आई
- **इंटरनेशनल मार्केट** में चीनी की कीमत 22 साल में सबसे अधिक हो गई है। भारत की चीनी मिलें तेजी से एक्सपोर्ट के सौदे कर रही हैं